

प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा परियोजना की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में [केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना](#) की आधारशिला रखी।

- यह [राष्ट्रीय नदी जोड़ो नीति](#) के तहत पहली ऐसी पहल है।

मुख्य बंदि

- **केन-बेतवा लकि परियोजना:**
 - इस परियोजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश के 44 लाख और उत्तर प्रदेश के 21 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना है।
 - **2,000 गाँवों के 7.18 लाख किसान परिवारों को** [उन्नत संचाई सुवधि](#) का लाभ मल्लिगा।
 - इस परियोजना से **103 मेगावाट जल वदियुत** और **27 मेगावाट सौर ऊर्जा** उत्पन्न होगी।
 - यह परियोजना केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच सहयोग का प्रतीक है, जो दर्विगत प्रधानमंत्री [अटल बहारी वाजपेयी](#) के नदी-जोड़ो के सपने को साकार करती है।
- **आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव:**
 - संचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिये पर्याप्त जल सुनश्चिति करना।
 - [बुंदेलखंड](#) में आर्थिक वकिसा, [पर्यटन](#) और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना।
 - [सूखा प्रभावति](#) बुंदेलखंड क्षेत्र में भूजल की कमी को दूर करना।
- **संरक्षण परयास:**
 - छतरपुर, टीकमगढ़ और नवािड़ी ज़िलों में चंदेल-युग के वरिसत तालाबों को पुनरस्थापति करने पर ध्यान देना।
 - [पनना टाइगर रज़िर्व](#) में वनय प्राणियों को नरितर जल आपूर्ति।
 - उत्तर प्रदेश के बाँदा ज़िले के लिये बाढ़ राहत।

राष्ट्रीय नदी जोड़ प्राधकिरण

- राष्ट्रीय स्तर पर नदियों को जोड़ने (ILR) का वधिार यह है कनिदियों को आपस में जोड़ा जाना चाहिये, ताकि [जल की कमी](#) की समस्या को दूर करने के लिये अधशिश नदियों और क्षेत्रों से जल को कमी वाले क्षेत्रों और नदियों में स्थानांतरति कथिा जा सके।
- इसके परणामस्वरूप वर्ष 1982 में [राष्ट्रीय जल वकिसा एजेंसी \(NWDA\)](#) की स्थापना हुई।